Kathanayak Munshi Premchand ki kahaniyo ka Manchan

प्रेमचंद की कहानियों के मंचन ने मोहा मन

इविवि के सीनेट हॉल में नाटक 'बूढ़ी काकी' का मंचन करते कलाकार।

इलाहाबाद। इविवि के सीनेट हाल में गुरुवार को राजभाषा पखवाड़े का समापन समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर गृह पत्रिका संकल्पना का विमोचन किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सुधीर सिन्हा के संचालन में प्रेमचंद की छह कहानियों का मंचन किया गया। सेंटर ऑफ फिल्म एंड थियेटर के छात्रों ने प्रो. पंकज कुमार के संयोजन में बड़े भाई साहब नाटक का मंचन किया। इसका निर्देशन महेश यादव ने किया। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के छात्रों ने डॉ. गायत्री सिंह के संयोजन व डॉ. आलोक मिश्र के निर्देशन में कहानी नशा का मंचन किया। जाति व्यवस्था की सच्चाई बयां करती कहानी सदगति पर आधारित नाटक का मंचन जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्राओं ने किया। इसका निर्देशन सुकृति मिश्रा एवं डॉ. विजय लक्ष्मी ने किया। आर्य कन्या डिग्री कॉलेज की छात्राओं ने निमंत्रण कहानी का मंचन किया। इसका निर्देशन डॉ. कल्पना वर्मा ने किया। केपी ट्रेनिंग कॉलेज टीम ने ठाकुर का कुआं नाटक का मंचन किया। इसका निर्देशन विवेक सिंह व संयोजन डॉ. शक्ति शर्मा ने किया। एसएस खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्रस्तुति बूढ़ी काकी ने दिल छू लिया। कहानी का मंचन डॉ. रचना आनंद गौड के संयोजन में किया। प्रतिभागियों व राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत हुई स्पर्धा के विजेताओं को प्रमाणपत्र दिया गया। डीन साइंस प्रो. जगदंबा सिंह, डीन आर्ट्स प्रो. केएस मिश्र, सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष प्रो. एए फातमी थे।